प्रभात

छिपाएंगे नहीं, छापेंगे

facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv

www.subhartimedia.com लखनऊ, मंगलवार, 23 अप्रैल 2019, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 12 उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड से प्रकाशित

धोनी आईपीएल में 200 छक्के मारने वाले पहले भारतीय पेज- 11

पृथ्वी दिवस : बढ़ती आबादी, घटते पेड़ से बढ़ रहा धरती का संकट

लखनऊ। प्रभात

हमें ज्ञात है कि पिछले पांच-वर्षों में देश की आबादी लगभग छह करोड़ बढ़ गई है जो पूर्व में 2015 में 127 करोड़ थी अब वर्ष 2019 में बढ़कर लगभग 131 करोड़ हो गई। वहीं पांच वर्षों में विश्व की आबादी में 33 करोड़ का इजाफा हुआ है जो वर्ष 2015 में 738 करोड़ थी जो अब बढ़कर 771 करोड़ हो चुकी है। बढ़ी आबादी का सीधा असर प्रकृति पर मौजूद प्राकृतिक सम्पदा को खत्म करने पर सीधे पड़ रहा है। आबादी का सबसे बड़ा खतरा उन क्षेत्रों में है जहां की आबादी घनी होती जा रही है। सीमित क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधन कम पड़ने लगे हैं। अभी पानी का संकट दिखने लगा है। प्रदूषण ने भी अपना भीषण असर दिखाना शुरू कर दिया है। यदि समय रहते न चेते तो उपलब्ध पानी और हवा के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। ये बाते पृथ्वी दिवस के अवसर पर स्कूल ऑफ मैनेजमेण्ट साईंसेज, लखनऊ में छात्र-छात्राओं में चेतना जगाने हेतु कही गयी।

एसएमएस में आयोजित कार्यक्रम में प्रो.भरतराज सिंह व अन्य

22 अप्रैल, सोमवार को पृथ्वी दिवस के अवसर पर धरती को हरा-भरा रखने, इसे प्रदूषण मुक्त करने हेतु आवश्यक कदम उठाने, व अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा पृथ्वी की सम्पदा के दोहन को कम करने एवं पानी बचाने के प्रयास हेतु डॉ0 मनोज मेहरोत्रा-निदेशक, व डॉ0 भरत राज सिंह पर्यावरणविद् व महानिदेशक ने अपने व्यक्तव्य में वचनबद्धता की प्रेरणा देते समय की। इस अवसर पर संस्था के कुलसचिव, टी0पी0सिंह एवं विभागाध्यक्ष तथा प्राचार्य एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।